लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2327

06 अगस्त, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

डिंडीगुल में लंबी रेशे वाली कपास

2327. श्री सचिदानन्दम आर.:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केंद्र सरकार इस तथ्य से अवगत है कि तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में लगभग 175 कपास उद्योग काम कर रहे हैं और वे संपूर्ण देश के अन्य राज्यों से कपास खरीद रहे हैं;

(ख) क्या केंद्र सरकार के पास डिंडीगुल जिले में कपास उद्योगों के लाभ, सुविधा और आत्मनिर्भरता के लिए कपास की उपज की अधिक संभावनाओं वाले डिंडीगुल जिले में लंबे रेशे वाली कपास का उत्पादन करने के लिए कोई प्रस्ताव या विशेष योजना/विशेष पैकेज है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या भविष्य में ऐसे किसी प्रस्ताव को कार्यान्वित करने पर विचार किया जायेगा?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (एएसआई) पर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में 299 कपास और अन्य फाइबर उद्योग कार्यरत हैं।

(ख) से (घ): राष्ट्रीय कृषि विकास कार्यक्रम (एनएडीपी) कपास - गुणवत्ता बीज उत्पादन और विविध कपास वितरण के अंतर्गत डिंडीगुल में प्रमाणित एक्स्ट्रा लांग स्टेपल कपास के वितरण पर विशेष जोर दिया जाता है। एक्स्ट्रा लांग स्टेपल (ईएलएस) कपास के बीजों के वितरण के लिए 50% सब्सिडी या 1,40,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से सहायता प्रदान की जाती है।

भारत सरकार की एनएडीपी योजनाओं के अंतर्गत कपास फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए डिंडीगुल में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा कपास, एक्स्ट्रा लांग स्टेपल/विविध कपास के गुणवत्ता बीज उत्पादन को कार्यान्वित किया जा रहा है। इसी प्रकार, कपास क्षेत्र और उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य योजना लाभप्रद कपास खेती मिशन भी कार्यान्वित किया जा रहा है।

***